हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

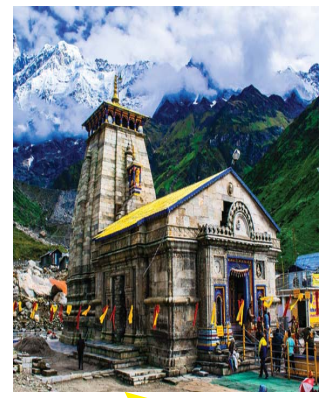

वर्षः5 अंकः29 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, मंगलवार, 03 फरवरी 2026

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कठोर कानून रोकेगा उत्तराखंड में जमीनों की धोखाधड़ी

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड में कानून व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यशैली और जनसेवा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस और प्रशासन को आम जनमानस के प्रति संवेदनशील, उत्तरदायी और परिणामोन्मुखी बनकर कार्य करने के सख्त निर्देश दिए।

सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अखिल भारतीय डीजी/आईजी सम्मेलन से प्राप्त निष्कर्षों की समीक्षा करते हुए कानून व्यवस्था, सुरक्षा, पर्यटन प्रबंधन, राजस्व, नशा मुक्ति, अभियोजन व्यवस्था, कारागार सुधार और जनशिकायत निवारण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव सहित सभी जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद राज्य में पर्यटकों की संख्या में बड़ा उछाल आएगा। इसे देखते हुए होटल, आवास, पार्किंग, ट्रैफिक प्लान, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी सभी तैयारियाँ समयबद्ध रूप से पूरी की जाएँ। उन्होंने चेताया कि किसी भी स्तर पर अव्यवस्था स्वीकार्य नहीं होगी। साथ ही बताया कि कैंची धाम बाईपास जून माह तक पूरा कर लिया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी।

पुलिस व्यवस्था पर सख्त रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि थानों से लेकर फील्ड तक वर्क कल्चर में तत्काल सुधार होना चाहिए। आम नागरिकों के साथ मानवीय, संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। निर्दोष लोगों को परेशान करने की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा। अपराध नियंत्रण के लिए रात्रि गश्त बढ़ाने, निरंतर पेट्रोलिंग और विवेचनाओं को अनावश्यक रूप से लंबित न रखने के निर्देश दिए गए।

लैंड फ्रॉड के मामलों पर मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कठोर कानून बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि भूमि से जुड़े अपराधों में शामिल दोषियों को किसी भी सूरत में राहत नहीं मिलेगी। अवैध निर्माण और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों में एसडीएम, लेखपाल और पटवारी की जवाबदेही तय कर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए।

नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रूप देने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रत्येक जनपद से मासिक रिपोर्ट सीधे शासन को भेजने के निर्देश दिए, जिसकी नियमित समीक्षा गृह सचिव और पुलिस महानिदेशक करेंगे। अभियोजन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अभियोजन अधिकारियों का परफॉर्मेंस ऑडिट कराने के भी निर्देश दिए गए।

जनशिकायत निवारण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने 1905 हेल्पलाइन पर जीरो पेंडेंसी का लक्ष्य तय किया और मुख्यमंत्री घोषणाओं के 100 प्रतिशत क्रियान्वयन को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि योजनाएँ केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि धरातल पर दिखाई दें, इसके लिए नियमित भौतिक सत्यापन और गुणवत्ता की निगरानी जरूरी है।

इसके साथ ही राजस्व के वैकल्पिक स्रोत बढ़ाने, डिजिटल गवर्नेंस को प्रभावी ढंग से लागू करने, चारधाम यात्रा की तैयारियों की संयुक्त समीक्षा और सड़कों के डामरीकरण का कार्य 15 फरवरी तक शुरू करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए। उन्होंने साफ कहा कि उत्तराखंड में शांति और कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

फ्यूल स्विच में आई खराबी... विमान की उड़ान पर लगी रोक

एअर इंडिया के पायलट ने बताई बोइंग 787-8 में दिक्कत

नई दिल्ली (ईएमएस)। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी की आशंका के मद्देनजर विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया। विमान के पायलटों ने ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी थी। इस मामले पर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमें इस बात की जानकारी है कि हमारे एक पायलट ने बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी है। यह प्रारंभिक सूचना प्राप्त होने के बाद हमने उक्त विमान को उड़ान भरने से रोक दिया है।

एअर इंडिया ने कहा कि पायलट की चिंताओं की प्राथमिकता के आधार पर जांच कराने के लिए निर्माता कंपनी से संपर्क कर रहे हैं। इस मामले की जानकारी विमानन नियामक, डीजीसीए को दे दी गई है। डीजीसीए के निर्देश के बाद एअर इंडिया ने अपने बेड़े के सभी बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच की थी और कोई समस्या नहीं पाई थी। सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन के मुताबिक एअर इंडिया की उड़ान एआई132 के चालक दल ने बताया कि बोइंग ड्रीमलाइनर के बाएं इंजन के फ्यूल स्विच को चालू करते समय यह रन की स्थिति में लॉक होने की जगह कट ऑफ होने की ओर बढ़ने लगा। इसकी वजह से उड़ान के दौरान अनजाने में इंजन बंद होने की संभावना बन सकती है। गौरतलब है कि एअर इंडिया के इस विमान ने रविवार रात नौ बजकर उन्नीस मिनट पर लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से उड़ान भरी। विमान सोमवार सुबह 11 बजकर 54 मिनट पर बंगलूरू में उतरा। फ्यूल स्विच लॉकिंग सिस्टम विमान के इंजन को ईंधन की सप्लाई को नियंत्रित करता है। अगर इसमें गड़बड़ी हो जाए तो इंजन बंद होने या ईंधन की आपूर्ति रुकने का जोखिम हो सकता है। इसलिए डीजीसीए ने इसे गंभीरता से लिया है। डीजीसीए ने सभी एयरलाइनों से कहा है कि वे अपने बोइंग 787 और 737 बेड़े के सभी विमानों की तकनीकी जांच करें और रिपोर्ट सौंपें। अगर किसी विमान में खराबी पाई जाती है तो उसे तुरंत सुधारना होगा, तब तक वह विमान उड़ान के लिए नहीं चलाया जा सकेगा। 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान हादसे की जांच कर रही एएआईबी ने अपने प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया कि हादसे वाले बोइंग ड्रीमलाइनर विमान के दोनों इंजन टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद बंद हो गए क्योंकि ईंधन की आपूर्ति रुक गई थी। एअर इंडिया विमान के ब्लैक बॉक्स की जांच में पता चला कि उड़ान के अंतिम क्षणों में, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से पता चला कि एक पायलट को दूसरे से यह पूछा कि उसने ईंधन स्विच को बंद क्यों किया? इस पर दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ घटाया

अब सिर्फ 25 की जगह 18 एक्स्ट्रा टैरिफ लगेगा

नई दिल्ली(ईएमएस)। अमेरिका ने भारत पर लगा एक्स्ट्रा 25 प्रतिशत टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। अब भारत पर 43 प्रतिशत ही टैरिफ रहेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के बाद यह फैसला लिया है। यह जानकारी भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने दी है। यह वार्ता भारत और अमेरिका के बीच लगातार जारी उच्चस्तरीय संपर्क का हिस्सा माना जा रहा है। सर्जियो गोर भारत में अमेरिकी राजदूत और दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत हैं। सर्जियो गोर ने राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई बातचीत की जानकारी साझा की हालांकि, दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई इसकी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं हुई है।

उल्लेखनीय है कि सर्जियो गोर के जानकारी साझा करने के पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के प्रसिद्ध स्मारक इंडिया गेट की तस्वीर पोस्ट करते हुए तारीफ की। साथ ही ट्रंप ने लिखा, भारत का खूबसूरत विजय द्वार। हमारा वाला उन सब में सबसे महान होगा!

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच आखिरी बार 10 दिसंबर 2025 को फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान टैरिफ को लेकर चर्चा की गई थी. यह टैरिफ को लेकर दोनों नेताओं के बीच तीसरी फोन वार्ता थी।

राष्ट्रपति ट्रम्प और पीएम मोदी के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बड़े घटनाक्रम चल रहे हैं। वहीं, ट्रम्प ने आज ही अपने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल' पर भारत से जुड़ी दो तस्वीरें पोस्ट की थी। एक में उन्होंने इंडिया गेट की फोटो शेयर की थी, जबकि दूसरे में पीएम मोदी के साथ एक मैगजीन का कवर शेयर किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए संस्कृत सुभाषितम साझा किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मिनिर्भरता पर बल देते हुए एक संस्कृमत सुभाषितम साझा किया।

सुभाषितम में कहा गया है कि सागर कभी पानी नहीं मांगता, फिर भी वह हमेशा भरा रहता है। ठीक उसी प्रकार, जब कोई व्यक्ति योग्य हो जाता है, तो धन उसे स्वाभाविक रूप से प्राप्त होता है। श्री मोदी ने कहा कि आत्मनिर्भरता वह दीपक है जो आत्मसम्मान और सामर्थ्यह का मार्ग दिखाता है और इस बार का बजट भी हमारे युवा साथियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री ने एक?स पर लिखा; 'आत्मनिर्भरता वह दीपक है, जो आत्मसम्मान

और सामर्थ्य का मार्ग दिखाता है। इस बार का बजट भी हमारे युवा साथियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाने वाला है।

एक नजर

बहादराबाद पुलिस ने नाबालिक से दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बहादराबाद पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पीड़िती की मां द्वारा लिखित तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया गया था। बहादराबाद पुलिस के मुताबिक क्षेत्र की ही महिला द्वारा बीती 13 दिसंबर को थाना बहादराबाद में तहरीर देकर बताया था कि उसकी नाबालिक पुत्री उम्र-17 वर्ष के साथ बन्टी नामक युवक ने बहला फुसलाकर दुष्कर्म किया और परिजनों को जान से मारने दी। दिये गये प्रार्थना पत्र पर तत्काल अभियोग पंजीकृत किया गया। मुकदमा उपरोक्त में वांछित आरोपी बन्टी की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने आरोपी को सलेमपुर के पास से दबोचा। नियमानुसार कार्रवाई कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने बजट को बताया खोखला और दिशाहीन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने संसद में पेश किए गए केंद्र सरकार के बजट को खोखला और दिशाहीन बजट करार दिया है। हरिद्वार प्रैस क्लब में सोमवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने कहा कि बजट में आम लोगों को राहत देने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि आयात निर्यात में भारी अंतर, डालर के मुकाबले रूपए की गिरती कीमत, एफडीआई में कमी जैसे तमाम तथ्यों की अनदेखी की गयी है। पिछले 12 वर्षो में यह केंद्र सरकार का सबसे खोखला बजट है। जिसमें किसानों, मजदूरों, बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं है। इससे बेरोजगारी, महंगाई बढ़ेगी, रूपया कमजोर होगा। आलोक शर्मा ने कहा कि बजट में उत्तराखंड को कुछ नहीं मिला है। प्रदेश की किसी भी मांग को बजट में पूरा नहीं किया गया है। आलोक शर्मा ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल हो चुकी है। जनता का ध्यान भटकाने के लिए विवादित मुद्दों को हवा दी जा रही है। कोटद्वार में बुजुर्ग के साथ अन्याय का विरोध करने वाले युवक पर ही एफआईआर दर्ज कर दी गयी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रशासन की एकतरफ कार्रवाई का विरोध करती है। इस दौरान महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजवीर चौहान, महेश प्रताप राणा, ओपी चौहान, मुरली मनोहर, बीएस तेजियान, तीर्थपाल रवि, लता जोशी, दिव्यांश शर्मा, सोम त्यागी, रवीश भटिजा, समर्थ अग्रवाल, विमला पांडे, राजीव भार्गव, अंजू मिश्रा, अंजू द्विवेदी, अतुल, अकरम अंसारी, जावेद खान, निखिल सोदाई, ग्रेस कश्यप आदि मौजूद रहे।

बिनारसी गांव में कड़ी सुरक्षा में हुआ मृतक का अंतिम संस्कार, दोनों पक्षों ने दर्ज कराया मुकदमा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के बिनारसी गांव में हिंसा के बाद हालात तनाव पूर्ण बने हुए हैं। संत रविदास जयंती के दिन शुरू हुआ विवाद फायरिंग और जानलेवा संघर्ष में तब्दील हो गया था। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई है। जबकि घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। देर रात इलाज के दौरान घायल मांगेराम की मौत के बाद सोमवार को उसका अंतिम संस्कार कड़ी पुलिस निगरानी में कराया गया।

मौके पर मौजूद आज़ाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमरीश कपिल का कहना है कि घटना की सूचना मिलने पर यदि पुलिस समय से गांव में नहीं पहुंचती तो हालात और अधिक खराब हो सकते थे। इस मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए गांव से 40 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि पूरे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस के अनुसार बिनारसी गाव निवासी लक्ष्मी चन्द ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही कुछ युवक उनके बेटे को बुलाकर गांव के बाहर ले गए और मारपीट करते हुए गोली मारकर हत्या कर दी, दो अन्य युवक भी गोली लगने से घायल हुए हैं। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर सात लोगों को नाम दर्ज करते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। वही दूसरे पक्ष ने भी 18 लोगों को नाम दर्ज करते हुए आगजनी, घरों में तोड़फोड़ तथा वादी के पिता मांगे राम की पीट-पीट कर हत्या किये जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है।भगवानपुर थाना प्रभारी सूर्य भूषण नेगी में बताया कि दोनों पक्षो की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज करने के साथ ही पड़ताल शुरू कर दी गई है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है।

केंद्रीय बजट 2026-27 से हरिद्वार और उत्तराखंड के विकास को मिलेगा नया आयाम: त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने केंद्रीय बजट 2026-27 को देश के साथ-साथ हरिद्वार और उत्तराखंड के लिए भी विकास के नए द्वार खोलने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आर्थिक प्रावधानों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि आस्था, विकास और रोजगार के संतुलन को सशक्त करने वाला दूरदर्शी बजट है। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि बजट में 12 लाख करोड़ से अधिक के ऐतिहासिक इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश से हरिद्वार-रुड़की-देहरादून क्षेत्र में सड़क, रेल और कनेक्टिविटी को अभूतपूर्व गति मिलेगी। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और औद्योगिक विकास को भी मजबूती मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। उन्होंने बताया कि एमएसएमई और उद्योगों के लिए किए गए विशेष प्रोत्साहन से सिडकुल सहित अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ेगा और स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे आत्मनिर्भर उत्तराखंड की दिशा में एक ठोस कदम बढ़ेगा। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि गंगा संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता पर बजट में दिए गए विशेष ध्यान से हरिद्वार की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक गरिमा और अधिक सुदृढ़ होगी। यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में बढ़े निवेश से आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी और बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि यह बजट हरिद्वार और उत्तराखंड की भावनाओं, जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बजट से हरिद्वार प्रगति के पथ पर और तेजी से आगे बढ़ेगा और उत्तराखंड विकास की नई ऊँचाइयों को छुएगा।

जनसुनवाई में आई शिकायतों में से 28 का मौके पर किया गया निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर हरिद्वारवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में आयोजित इस जनसुनवाई कार्यक्रम में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित 51 से अधिक शिकायतें व समस्याएं दर्ज की गईं, जिनमें से 28 समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जनसुनवाई के दौरान भूमि पैमाइश, नाला निकासी, जलभराव, गंदगी, सड़क, बिजली, पेयजल सहित अन्य जनसरोकार से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर ललित नारायण मिश्रा ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनसुनवाई के माध्यम से आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर शासन-प्रशासन को जनता के और अधिक करीब लाने का प्रयास किया जा रहा है।

सन्नी हत्याकांड का खुलासा, दोस्त रोहित ही निकला हत्यारा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। लक्सर क्षेत्र में हुए सन्नी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। बतादें पांच दिन से लापता सन्नी का शव रविवार को एक गन्ने के खेत से बरामद हुआ था। पूछताछ में पता चला कि किश्तों में लिए गए मोबाइल को लेकर शराब के नशे में हुए विवाद में सन्नी की हत्या हुई।

पुलिस के मुताबिक बीती 30 जनवरी को रसूलपुर उर्फ कंकरखाता निवासी महिला द्वारा अपने पुत्र सन्नी उम्र करीब 20 वर्ष के घर से अपने दोस्तो के साथ जाने तथा वापस न लौटने को लेकर दी गई शिकायत के आधार पर कोतवाली लक्सर पर युवक की गुमशुदगी दर्ज की गई व तलाश शुरु की गई।

गठित पुलिस टीम द्वारा अलग-अलग माध्यम से जुटाई गई जानकारी के आधार पर गुमशुदा युवक के दोस्त रोहित उर्फ़ बालू की संदिग्धता/संलिप्तता प्रकाश में आयी। संदिग्ध युवक से सख्ती से पूछताछ करने पर सामने आया कि आपसी विवाद में रोहित ने पहले अपने दोस्त सन्नी की गला दबा कर हत्या की और फिर शव को गन्ने के खेत में छिपाकर अपने घर वापस लौट गया। हत्यारोपी इसके बाद गांव वालों व अपने साथियों को भ्रमित कर मृतक को ढूंढने का नाटक करता रहा। पुलिस टीम ने युवक की निशांदेही पर सोमवार 1 फरवरी को मृतक सन्नी का शव बरामद कर हत्यारोपी को नियमानुसार हिरासत में लिया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में पता चला कि 27 जनवरी को मृतक सन्नी अपने दोस्तों रोहित और राजा के साथ सुल्तानपुर गया था, जहां रोहित ने सन्नी से पहचान पत्र व कुछ नगदी लेकर किश्तों में एक मोबाइल फोन खरीदा। इसके बाद तीनों दोस्तों ने अन्य के साथ मिलकर शराब पी। इसके बाद अन्य को छोड़कर सन्नी व रोहित कुन्हारी स्थित ठेके से शराब की बोतल लेकर जंगल की तरफ गए। शराब पीने के बाद दोनों दोस्तों के बीच नये मोबाइल फोन को लेकर झगड़ा हो गया। नशे की हालत में झगड़ा इतना ज्यादा बढ़ गया कि रोहित ने सन्नी की गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और लाश को पास ही गन्ने के खेत में छिपाकर वहां से भाग गया।

व्यापारी के बंद कराए बैंक खाते से करोड़ों रुपये का हो गया लेनदेन, प्रबंधक समेत दो के खिलाफ केस दर्ज

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कोतवाली ज्वालापुर में धोखाधड़ी किये जाने का एक मामला सामने आया है। यहां एक व्यापारी द्वारा बैंक खाता बंद कराए जाने के बावजूद उसके खाते से करोड़ों रुपये के लेनदेन का मामला सामने आया है। पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक निजी बैंक के कर्मचारी और प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ज्वालापुर पुलिस पुलिस के अनुसार, मुज्जमिल अली पुत्र जमील अहमद निवासी बहादराबाद ने शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी अमान ट्रेडर्स नाम की फर्म का करीब दो वर्ष पूर्व बंधन बैंक सैनी धर्मशाला के सामने स्थित शाखा में करंट अकाउंट खुलवाया था। मई 2025 में वह बैंक शाखा में खाता बंद कराने पहुंचे थे। वहां मौजूद बैंक कर्मचारी आशु कुमार से खाता बंद करने की बात कही। कर्मचारी ने उनसे प्रार्थना पत्र मांगा, जिसे उन्होंने सौंप दिया। इसके बाद कर्मचारी ने उन्हें खाता बंद हो जाने का आश्वासन देकर वापस भेज दिया। इसके बाद उन्होंने खाते में किसी भी प्रकार का कोई लेनदेन नहीं किया। आरोप है कि 11 अगस्त 2025 को बंधन बैंक का उनके पते पर एक कोरियर पहुंचा। कोरियर में उनके खाते से संबंधित बैंक विवरण मौजूद था, जिसमें खाते से करोड़ों रुपये के लेनदेन का खुलासा हुआ। आरोप है कि उनके बंद कराए गए खाते में मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी बदलकर और उनके फर्जी कूटरचित हस्ताक्षर कर यह धोखाधड़ी की गई। पीड़ित ने बैंक कर्मचारी आशु और शाखा प्रबंधक के खिलाफ तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का प्राथमिकता से करें निस्तारण: सीडीओ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ ललित नारायण मिश्र ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज समस्याओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। कहा कि सीएम हेल्प लाइन में जो भी शिकायते दर्ज की जा रही है, उन शिकायतों का संवेदनशीलता के साथ निरंकरण करना सुनिश्चित करे।

सीडीओ ने कहा कि 36 दिन से अधिक जो भी शिकायतें लंबित है उनका निराकरण तत्परता से करना सुनिश्चित करें। जिसमें एल 1 पर 457 शिकायतें तथा एल 2 पर 92 लंबित शिकायतों को शीघ्रता से निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कहा कि शिकायतकर्ता से सिस्टम के माध्यम से फोन पर वार्ता करें। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यूसीसी पर रजिस्ट्रेशन के लिए मतदान सूची को आधार बनाया जाए तथा 2 लाख से

अधिक का रजिस्ट्रेशन कराया जाए। 2010 से पहले विवाहित लोगों का भी यूसीसी रजिस्ट्रेशन कराने तथा सभी विभाग अपने-अपने कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों का जिनका विवाह 2010 से पहले हुआ हो उनका भी यूसीसी पर रजिस्ट्रेशन करना सुनिश्चित करें।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत 7 फरवरी शनिवार को एक दिन, एक घंटे, एक साथ सभी विभाग सफाई अभियान में प्रतिभाग लेंगे। जिसमें अधिक लोगों को शामिल कर सभी विभाग अपने-अपने कार्यालयों के आसपास 500 मीटर के क्षेत्र में साफ-सफाई अभियान चलाएंगे।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पीआर चौहान, जिला विकास अधिकारी वेद प्रकाश, उप जिला अधिकारी जितेंद्र कुमार, मुख्य वित्त अधिकारी अजय कुमार, अधिशासी अभियंता लोनिवि डीपी सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई ओमजी गुप्ता, जिला अर्थ संख्या आधिकारी नलिनी ध्यानी, नोडल स्वजल चंद्रकांत मणि त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मवीर सिंह, फूड सेफ्टी अधिकारी महिमानंद जोशी ,एआरटीओ नेहा झा सहित जिला स्तरीय सम्बन्धित अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादी मौजूद रहे।

एक नजर

वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर भोजनमाताओं ने किया डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भोजनमाताओं ने अपने मानदेय में बढ़ोतरी की मांग को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में भोजनमाताएं कलेक्ट्रेट में एकत्रित हुई और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया। भोजनमाताओं का कहना है कि वे वर्षों से बेहद कम मानदेय पर काम कर रही हैं, जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। इतने कम वेतन में परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उनकी मेहनत के अनुरूप मानदेय नहीं दे रही है, जिससे उनमें रोष व्याप्त है। प्रदर्शन कर रही भोजनमाताओं ने तत्काल वृद्धि करने, समय पर भुगतान सुनिश्चित करने तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं देने की मांग की। भोजनमाताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होगीं। इस दौरान प्रशासन की ओर से भोजनमाताओं को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को शासन तक भेजा जाएगा और उचित कार्रवाई का प्रयास किया जाएगा।

लक्सर में छात्र पर चली गोली, इलाके में मचा हड़कंप

पथ प्रवाह, हरिद्वार। लक्सर क्षेत्र में एक बार फिर गोलीकांड से सनसनी फैल गई है। देर शाम दो छत्रों के बीच हुए आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें एक छत्र को गोली मार दी गई। गंभीर रूप से घायल छात्र को परिजन तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल युवक की पहचान विनायक चौधरी (17 वर्ष) पुत्र कमलदीप, निवासी अकोढ़ा कला, लक्सर के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, दोनों छात्रों के बीच पहले लक्सर स्थित होली क्रॉस स्कूल के पास किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद शांत होने के बजाय और बढ़ गया और बाद में के.वी. इंटर कॉलेज के पीछे दोबारा दोनों आमने-सामने आ गए। इसी दौरान एक छात्र ने तमंचे से फायर कर दिया, जिसमें विनायक चौधरी को गोली लग गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी छात्र मौके से फरार हो गया। फिलहाल आरोपी की पहचान को लेकर कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आ पाई है। घटना की सूचना मिलते ही लक्सर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस घायल के परिजनों से पूछताछ का प्रयास कर रही है, हालांकि सदमे की स्थिति में होने के कारण वे अभी स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। लक्सर कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक लोकपाल ने गोलीकांड की पुष्टि करते हुए बताया कि पूरे मामले की गहन छानबीन की जा रही है और फरार आरोपी छात्र की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

पत्रकार अनुपम त्रिवेदी को मातृ शोक, महानिदेशक सूचना ने श्मशान घाट पहुंच कर दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वरिष्ठ पत्रकार न्यूज 18 के उत्तराखंड संपादक अनुपम त्रिवेदी की माता गीता त्रिवेदी का अंतिम संस्कार खड़खड़ी श्मशान घाट पर किया गया। इस दौरान महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने श्मशान घाट पर पहुंचकर पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा परिजनों को असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने एवं दिवंगत आत्मा को भगवान अपने श्री चरणों में स्थान दें के लिए प्रार्थना की।

गीता त्रिवेदी का निधन बीमारी के चलते रविवार को 85 वर्ष की आयु में देहरादून में हो गया था। ज्येष्ठ पुत्र भुवन चंद त्रिवेदी ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के दौरान सचिव एचआरडीए मनीष कुमार सिंह, पूर्व राज्य सूचना

आयुक्त योगेश भट्ट, वरिष्ठ पत्रकार सुनील दत्त पांडे, आशीष मिश्रा, पुलकित शुक्ला, अविक्षित रमन, नरेश दीवान शैली, अमित गुप्ता, समेत हरिद्वार और देहरादून जनपद के तमाम पत्रकार और अन्य क्षेत्रों के लोग मौजूद रहे।

शारदीय कांवड़ मेला की तैयारी में जुटी पुलिस, अपर रोड से हटाया अतिक्रमण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। आगामी शरदीय कांवड़ मेला 2026 को सकुशल एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर जनपद हरिद्वार के दिशा-निर्देशों के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर, हरिद्वार के नेतृत्व में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया।

सोमवार को कोतवाली नगर क्षेत्र अंतर्गत अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर अतिक्रमण के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हरकी पैड़ी, जनाना घाट, सुभाष घाट तथा पोस्ट ऑफिस से भीमगौड़ा तक सड़क किनारे, पुलों एवं घाटों के आसपास किए गए अतिक्रमण को हटाया गया, जिससे श्रद्धालुओं एवं आमजन की आवाजाही सुचारु बनाई जा सके।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान पुलिस द्वारा उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के अंतर्गत 85 चालान कर 21,250/- का

संयोजन शुल्क वसूला गया। साथ ही नो-पार्किंग में खड़े 15 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान किए गए। हरिद्वार पुलिस द्वारा यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जिससे यातायात व्यवस्था, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जा सके।

पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक रितेश शाह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक नंद किशोर ग्वाड़ी, उपनिरीक्षक चरण सिंह, उपनिरीक्षक अंशुल अग्रवाल, उपनिरीक्षक हाकम सिंह, उपनिरीक्षक ऋषिकांत पटवाल, कांस्टेबल भूपेंद्र गिरी, सतेंद्र शर्मा, मनोज यादव, बृजमोहन, म?हिला कांस्टेबल शोभा, अनिता थापा आदि मौजूद रहे।

मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पीड़िता की मां ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी।

पुलिस के मुताबिक बीती 31 जनवरी को वादिया ज्वालापुर, हरिद्वार द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री, उम्र लगभग 09 वर्ष के साथ आरोपी द्वारा अपने घर बुलाकर छेड़छाड़ किए जाने के संबंध में कोतवाली ज्वालापुर पर शिकायत दर्ज कराई गई। प्राप्त शिकायत के आधार पर कोतवाली ज्वालापुर पर मु0अ0सं0-88/2026 पोक्सो अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर को निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर द्वारा उप निरीक्षक ललिता चुफाल के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा

त्वरित कार्रवाई करते हुए रविवार 1 फरवरी को आरोपी नसीम फारूखी पुत्र स्वर्गीय अनवर फारूखी, निवासी मोहल्ला अबाबनगर, कोतवाली ज्वालापुर, जनपद हरिद्वार को हिरासत में लिया गया। आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

संपादकीय

हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलनः सुरक्षित विकास की अनिवार्य चुनौती

हिमालय केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की जीवनरेखा है। यही पर्वत श्रृंखला नदियों का उद्गम है, जैव विविधता का केंद्र है और करोड़ों लोगों की आजीविका से जुड़ी हुई है। लेकिन बीते कुछ दशकों में हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं जिस तेजी से बढ़ी हैं, उसने विकास बनाम सुरक्षा की बहस को और गंभीर बना दिया है। उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्यों में सड़क, बिजली, जलापूर्ति और पर्यटन के विस्तार के साथ-साथ भूस्खलन का जोखिम भी कई गुना बढ़ गया है।

देहरादून में आयोजित अंतरराष्ट्रीय तकनीकी कार्यशाला इस बात का संकेत है कि अब भूस्खलन को केवल प्राकृतिक आपदा मानकर नहीं, बल्कि वैज्ञानिक, तकनीकी और नीतिगत दृष्टिकोण से समझने की जरूरत है। हिमालय भूगर्भीय रूप से युवा और अत्यंत संवेदनशील पर्वत श्रृंखला है, जहां हल्की सी मानवीय लापरवाही भी बड़े हादसे को जन्म दे सकती है। अनियोजित कटान, ढलानों पर भारी निर्माण, वनों की कटाई और जल निकासी की अव्यवस्थित व्यवस्था भूस्खलन को और भयावह बना रही है।

ऐसे में नॉर्वे जैसे देशों के विशेषज्ञों द्वारा ढलान स्थिरता, मृदा सुदृढ़ीकरण, सॉइल नेलिंग और उपग्रह आधारित जोखिम मानचित्रण जैसे आधुनिक उपायों पर जोर देना समय की मांग है। यह स्पष्ट हो चुका है कि पारंपरिक तरीकों से अब हिमालय को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। वैज्ञानिक अध्ययन, दीर्घकालिक योजना और अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का समावेश ही टिकाऊ समाधान दे सकता है।

विश्व बैंक और अन्य वैश्विक संस्थाओं की भागीदारी यह दर्शाती है कि हिमालयी आपदा जोखिम केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक चिंता का विषय है। वर्ष 2013 की आपदा ने उत्तराखण्ड को यह कड़वा सबक सिखाया कि आपदा के बाद राहत और पुनर्बहाली जितनी जरूरी है, उससे कहीं अधिक जरूरी है आपदा से पहले की तैयारी। पूर्व चेतावनी प्रणाली, जोखिम आकलन और समुदाय की भागीदारी को मजबूत किए बिना किसी भी योजना को सफल नहीं कहा जा सकता।

लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो। अक्सर देखा गया है कि विभागीय तालमेल की कमी से योजनाएं कागजों तक सीमित रह जाती हैं। हिमालयी क्षेत्रों में विकास तभी सार्थक होगा जब वह प्रकृति के अनुरूप, वैज्ञानिक आधार पर और स्थानीय समुदाय को केंद्र में रखकर किया जाए।

हिमालय को बचाना केवल पहाड़ के लोगों की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे देश की जिम्मेदारी है। सुरक्षित, टिकाऊ और आपदा-सक्षम विकास ही वह रास्ता है, जिससे हिमालय की संवेदनशीलता को समझते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित किया जा सकता है।

मीर तकी मीरः दर्द को शायरी बनाने वाला शायर

सुनील कुमार महला

3 फरवरी को साहित्यकार, उर्दू साहित्य के महानतम शायर मीर तकी मीर (1723-1810) का जन्मदिन मनाया जाता है।मीर तकी मीर सिर्फ़ ग़ज़ल के शायर नहीं थे, वे अपने समय की टूटी हुई रूह की आवाज़ थे।मीर उर्दू ग़ज़ल को शिखर तक पहुँचाने वाले बड़े कवि थे। पाठकों को बताता चलूं कि उन्हें खुदा-ए-सुखन यानी कि शायरी का खुदा/भगवान् कहा जाता है। उनकी शायरी में दर्द, मोहब्बत, तन्हाई और मानवीय संवेदना गहराई से झलकती है।उर्दू ही नहीं फ़ारसी भाषा पर भी उनकी मज़बूत पकड़ थी। मीर को उर्दू के उस प्रचलन के लिए याद किया जाता है जिसमें फ़ारसी और हिन्दुस्तानी के शब्दों का अच्छा मिश्रण और सामञ्जस्य हो। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार उनका जन्म आगरा में तथा मृत्यु लखनऊ में हुई।मीर तक़ी मीर को उर्दू के शेर कहने का प्रोत्साहन अमरोहा के सैयद सआदत अली ने दिया। पाठकों को बताता चलूं कि उनका मूल नाम मोहम्मद तकी था।उनकी प्रमुख कृतियों की यदि हम यहां पर बात करें तो इनमें क्रमशः ज़िक्र-ए-मीर (आत्मकथा), कुल्लीयते-मीर (उर्दू रचनाओं के छह दीवानों का संग्रह), कुल्लीयते-फ़ारसी (फ़ारसी रचनाओं का संग्रह), फ़ैज़-ए-मीर (पाँच कहानियों का संग्रह), नुकत-उस-शूरा (फ़ारसी ज़बान में लिखी तत्कालीन उर्दू रचनाकारों की जीवनियाँ) आदि को शामिल किया जाता है। वैसे,वे दर्द के शायर कहलाते हैं। दरअसल, मीर की ज़िंदगी मुफ़लिसी (गरीबी), अपनों को खोने के गम और दिल्ली की बर्बादी को देखने में गुजरी। यही वजह है कि उनकी शायरी में हूक और टीस महसूस होती है। उन्होंने खुद एकबार यह कहा था-मुझको शायर न कहो मीर कि साहब मैंने, कितने ग़म जमा किए तो दीवान किया। कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली के उजड़ने, परिवार की मौतों, गरीबी और बेघर होने ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया था। उनकी शायरी दरअसल आत्मकथा की पंक्तियाँ हैं। उनकी यह पंक्ति देखिए-पत्थर की भीत क्या करूँ, आँसू जो ढल गए। पाठकों को बताता चलूं कि नादिर शाह और अहमद शाह अब्दाली के हमलों के बाद दिल्ली उजड़ चुकी थी।मीर ने दिल्ली छोड़कर लखनऊ जाना तो स्वीकार किया, लेकिन वे वहाँ दिल से कभी बस नहीं पाए।मीर की सबसे बड़ी खूबी उनकी भाषा थी। वास्तव में, वे बहुत ही आसान शब्दों में दिल की गहरी बात कह देते थे। इसे तकनीकी भाषा में सहल-ए-मुमतना कहा जाता है-यानी ऐसी चीज़ जो देखने में आसान लगे, पर उसे दोबारा लिखना नामुमकिन हो।महान शायर मिर्ज़ा ग़ालिब भी उनके कायल थे।सच तो यह है कि ग़ालिब ने मीर को अपना उस्ताद माना। ग़ालिब जैसे आत्मविश्वासी शायर ने कहा- रेख़ुते के तुम ही उस्ताद नहीं हो ग़ालिब,कहते हैं अगले ज़माने में कोई मीर भी था। वास्तव में यह मीर की श्रेष्ठता की सबसे बड़ी गवाही है। मोहब्बत की कैफियत को बयां करते हुए उन्होंने कहा था-इब्तिदा-ए-इश्क़ है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या। हस्ती अपनी हबाब की सी है, ये नुमाइश सराब की सी है।,नाज़ुकी उसके लब की क्या कहिए, पंखुड़ी एक गुलाब की सी है।,मीर उन नीम-बाज़ आँखों में, सारी मस्ती शराब की सी है। उनकी कुछ अमर पंक्तियों में से एक हैं। आत्मस्वीकृति के बारे में एक बार उन्होंने कहा था -शायर मुझमें और भी हैं, पर मीर का मुक़ाबला कौन करे। अंत में यही कहूंगा कि मीर सिर्फ़ उर्दू ग़ज़ल के शायर ही नहीं, बल्कि अपने समय के टूटे हुए समाज, उजड़ती दिल्ली और बिखरते इंसान की संवेदनाओं के सच्चे दस्तावेज़ हैं। उनकी शायरी में बनावटी सौंदर्य नजर नहीं आता है। वास्तव में उनकी शायरी जीवन के गहरे ज़ख़्मों से निकली हुई सच्चाई है। अपने जीवन में निजी दुख, मानसिक पीड़ा, गरीबी और उपेक्षा के बावजूद मीर ने उर्दू और फ़ारसी भाषा को आम आदमी के दिल तक पहुँचाया और ग़ज़ल को आत्मा की आवाज़ बना दिया। उनका दर्द रचना है। अन्य शायरों की तरह वे कभी शोर नहीं करते, बल्कि रचनाओं में फुसफुसाते हैं और उनकी वही फुसफुसाहट सदियों बाद भी पाठकों के दिल में उतर जाती है। इसलिए मीर को पढ़ना सिर्फ़ साहित्य का अनुभव नहीं, बल्कि इंसान होने का अनुभव है।

आम बजट 26-27: उम्मीदों की ऊँचाई पर खड़ा देश, आशाओं के बीच छिपी बेचैनी की परछाई

विनोद कुमार सिंह

आम बजट 2026-27 एक आशावादी सरकारी दस्तावेज है,पर इसकी असली परीक्षा जमीन पर होगी।किसान के खेत में,मजदूर की हथेली में,युवा की नौकरी में, महिला के उद्यम में और गरीब की थाली में। बजट भाषण में शब्द बहुत हैं,योजनाएँ बहुत हैं,सरकारी आँकड़ो का अम्बार हैं। वही देश का आम आदमी पूछता है-क्या इस बार सपने सच होंगे?यही बजट की कहानी है -आशा और निराशा के बीच खड़ा भारत,खुशी और गम के बीच अपनी राह तलाशता हुआ नजर आ रहा है।*

देश के लोकतंत्र में बजट केवल आय-व्यय का सरकारी दस्तावेज नहीं होता,बल्कि राष्ट्र की सामूहिक धड़कन होती है,जिसमें करोड़ों लोगों की आशाएँ,सपने,शिकायतें और संघर्ष एक साथ सांस लेते हैं।आम बजट 2026-27 भी ठीक ऐसा ही है-एक ओर विकास की तेज रफ्तार का दावा,दूसरी ओर आम आदमी की जेब में चुभती महँगाई और रोजगार की चिंता।यह बजट उम्मीद और निराशा के बीच झूलते भारत का आईना है,जिसमें खुशी की चमक भी है और गम की गहराई भी।केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने जब लोकसभा में यह कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 2014-15 के ?2 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ?11.2 लाख करोड़ तक पहुँच गया है और अब इसे 2026-27 में ?12.2 लाख करोड़ करने का प्रस्ताव है,तो यह घोषणा केवल एक संख्या नहीं थी। यह उस भारत का संदेश था जो सड़क, रेल,बंदरगाह,डिजिटल नेटवर्क और औद्योगिक गलियारों के माध्यम से भविष्य की नींव रख रहा है।सवाल यह भी उठता है कि क्या इस विकास की ईंटें गरीब की झोपड़ी तक गर्माहट पहुँचा पाएँगी, या यह केवल महानगरों के सपनों की इमारत बनकर रह जाएगा?सरकार ने निजी निवेश को भरोसा देने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड की घोषणा की है, जो ऋणदाताओं को आंशिक क्रेडिट गारंटी देगा।यह एक साहसिक कदम है,क्योंकि देश की विकास यात्रा में निजी क्षेत्र की भागीदारी आवश्यक है।इसी के साथ आम नागरिक के मन में यह चिंता भी है कि जब बड़े डेवलपर्स के जोखिम सरकार उठाएगी,तो छोटे किसान और मजदूर के जोखिम कौन उठाएगा? विकास का पुल तभी मजबूत होगा जब उसके दोनों छोर समान रूप से सुरक्षित हों।

राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 4.4 प्रतिशत था। ऋण-से-जीडीपी अनुपात भी 55.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई है। आर्थिक अनुशासन की यह तस्वीर बाजारों को राहत देती है,निवेशकों को भरोसा देती है।आम जनता के लिए सवाल वही पुराना है -क्या यह अनुशासन उनके जीवन में सस्ती शिक्षा,बेहतर स्वास्थ्य और स्थायी रोजगार का अनुशासन बन पाएगा?बजट में किसानों,पशुपालकों और ग्रामीण भारत के लिए कई घोषणाएँ की गई हैं।छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने पर जोर, मत्स्य पालन के लिए 500 जलाशयों का विकास,पशुपालन क्षेत्र के लिए लोन आधारित सब्सिडी कार्यक्रम,तटीय फसलों के लिए सहायता,नारियल,काजू, कोको,चंदन जैसी फसलों को वैश्विक ब्रांड बनाने की योजना–ये सब सुनने में आशाजनक हैं। ग्रामीण भारत के लिए यह राहत की सांस है। परंतु खेतों में खड़ा किसान आज भी पूछता है - क्या यह योजनाएँ कागज से निकलकर जमीन तक पहुँचेंगी? या फिर यह भी फाइलों की धूल में दब जाएँगी?

भारत-इंडुस्ब्रक जैसे बहुभाषी एआई टूल की शुरुआत किसानों को आधुनिक निर्णय लेने में मदद करेगी।यह डिजिटल क्रांति का नया अध्याय है।इसी के साथ यह चिंता भी है कि क्या देश का हर किसान डिजिटल रूप से सक्षम है? क्या गांवों में इंटरनेट और प्रशिक्षण की वह व्यवस्था है,जो इस एआई टूल को सचमुच किसान का साथी बना सके?बजट में खेल क्षेत्र के लिए खेलो इंडिया मिशन की घोषणा भी युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है।अगले दशक में खेल प्रतिभाओं को निखारने,खेल तकनीक और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की बात कही गई है।भारत जिस तरह वैश्विक मंच पर खेलों में उभर रहा है,यह पहल उसे नई ऊँचाई दे सकती है।गाँव की मिट्टी में दौड़ता बच्चा आज भी पूछता है - क्या उसके पास मैदान होगा,कोच होगा, संसाधन होंगे?युवाओं की क्षमता बढ़ाने के लिए सेवा क्षेत्र पर जोर,शिक्षा से रोजगार और उद्यम पर स्थायी समिति, 2047 तक सेवा क्षेत्र में वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य–ये घोषणाएँ भविष्य की दिशा बताती हैं। लेकिन आज का युवा, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की भीड़ में खड़ा है,जो बेरोजगारी की मार झेल रहा है,उसके लिए यह भविष्य थोड़ा दूर और धुंधला लगता है।उसे आज चाहिए नौकरी,आज चाहिए अवसर,आज चाहिए भरोसा। बैंकिंग सेक्टर में सुधार,कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार काविस्तार,म्यूनिसिपल बॉन्ड को बढ़ावा, निवेश सीमा बढ़ाने की घोषणाएँ वित्तीय जगत के लिए सकारात्मक हैं। परंतु आम आदमी के लिए बैंकिंग सुधार का अर्थ तभी है जब उसे सस्ता ऋण मिले,उसकी बचत सुरक्षित हो और उसका आर्थिक जीवन आसान बने। ग्रामीण महिलाओं के लिए शी- मार्ट्स की घोषणा एक सामाजिक बदलाव का संकेत है।स्व-सहायता समूहों की महिलाएँ अब बाजार से जुड़ेंगी,उद्यमी बनेंगी।यह बजट की सबसे सुंदर तस्वीरों में से एक है, जहाँ विकास का चेहरा महिला नेतृत्व में दिखाई देता है।यह आशाओं की वह किरण है जो ग्रामीण भारत की आंखों में चमक सकती है।पर्यटन के लिए राष्ट्रीय हॉस्पिटैलिटी संस्थान,10 हजार गाइड्स को प्रशिक्षित करने की योजना,डिजिटल नॉलेज ग्रिड, ट्रैकिंग और हाइकिंग ट्रेल्स, पुरातात्विक स्थलों का विकास–ये भारत की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देंगे।इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।क्या यह रोजगार स्थायी होंगे या केवल मौसमी?

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी कई घोषणाएँ हुई हैं - स्वास्थ्य संस्थानों का अपग्रेडेशन, एक लाख नए स्वास्थ्य पेशेवर,मेडिकल टूरिज्म के लिए क्षेत्रीय हब,आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना।यह सुनकर लगता है कि सरकार स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है।परंतु सरकारी अस्पतालों की भीड़,दवाओं की कमी और इलाज की महँगाई आज भी आम आदमी की पीड़ा है।

कपड़ा उद्योग के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना,समर्थ 2.0,मेगा टेक्सटाइल पार्क और हथकरघा- हस्तशिल्प कार्यक्रम ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं।यह भारत की परंपरा और आधुनिकता का संगम है तो वही बुनकर आज भी न्यूनतम मजदूरी और बाजार की मार से जूझ रहा है।सबसे बड़ा आकर्षण रहा–20 नए जलमार्ग और सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का एलान।यह भारत की गतिशीलता का सपना है।मुंबई से पुणे, दिल्ली से वाराणसी, चेन्नई से बंगलूरू तक हाई स्पीड रेल नेटवर्क देश को जोड़ने की नई कहानी लिखेगा।यह विकास का गर्व है। लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी है- क्या आम यात्री के लिए यह यात्रा सस्ती होगी या केवल उच्च वर्ग की सुविधा बनकर रह जाएगी?

सरकार ने सात क्षेत्रों में आर्थिक विकास की पहल का प्रस्ताव रखा है - विनिर्माण,एमएसएमई,ऊर्जा सुरक्षा,शहरी विकास,कैपिटल गुड्स,टेक्सटाइल और बायो फार्मा शक्ति।यह एक व्यापक रोडमैप है। सेमीकंडक्टर मिशन और रेयर अर्थ कॉरिडोर जैसी योजनाएँ भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाएंगी। सन 2025 - 2026 का केन्द्रीय आम बजट का सच यही है -यह उम्मीदों का गुलदस्ता भी है और निराशाओं का कांटा भी।यह विकास की घोषणा भी है और आम आदमी की चिंता भी।खुशी इस बात की है कि भारत भविष्य की ओर बढ़ रहा है।गम इस बात का है कि यह भविष्य कब तक हर घर के दरवाजे तक पहुंचेगा?

सभी देशों को आत्महत्या रोकथाम को अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बनाना समय की माँग

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता की प्रगति के साथ -साथ मानसिक,सामाजिक और आर्थिक जटिलताएँ भी बढ़ती गई हैं। इन्हीं जटिलताओं से जुड़ा एक अत्यंत गंभीर विषय है,आत्महत्या। यह केवल किसी व्यक्ति का निजी निर्णय नहीं होता,बल्कि इसके पीछे सामाजिक मनोवैज्ञानिक,द्र सांस्कृतिक और आर्थिक कारकों का गहरा प्रभाव होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर आत्महत्या को सार्वजनिक स्वास्थ्य की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक माना जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, हर साल लगभग 7 लाख लोग आत्महत्या करके अपनी जान गंवाते हैं, जिसका अर्थ है कि हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं,बल्कि वैश्विक संकट है। जिसका समाधान अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मिट बुलाकर करना समय की मांग है। बता दे भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति की घोषणा की है।यह देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है जिसमें वर्ष 2030 तक आत्महत्या मृत्यु दर में 10 पर्सेंट की कमी लाने के लिये समयबद्ध कार्य योजना और बहु-क्षेत्रीय सहयोग शामिल है।यह रणनीति आत्महत्या की रोकथाम के लिये विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र रणनीति के अनुरूप है।

साथियों बात अगर हम आत्महत्या क्या है और क्यों की जाती है? किस देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या होती है?इसको समझने की करें तो, आत्महत्या का सामान्य अर्थ है, व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अपनी जान लेना। यह निर्णय किसी क्षणिक आवेग का नहीं, बल्कि लंबे समय तक चले मानसिक और सामाजिक दबाव का परिणाम होता है। डब्ल्यूएचओ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, आत्महत्या करने वालों में से लगभग 77 पर्सेंट लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों से होते हैं,जहाँ मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ सीमित होती हैं और सामाजिक कलंक के कारण लोग मदद माँगने से कतराते हैं। आत्महत्या के मुख्य कारणों में डिप्रेशन,बाइपोलर डिसऑर्डर, सिज़ोफ्रेनिया, नशे की लत, तथा सामाजिक अलगाव प्रमुख हैं। इसके अलावा रिश्तों में असफलता, बेरोजगारी, आर्थिक तंगी,घरेलू हिंसा और युवाओं पर शिक्षा व करियर का दबाव भी आत्महत्या के प्रमुख कारक हैं।वैश्विक स्तर परआत्महत्या की दर हर देश में अलग-अलग है।डब्ल्यूएचओ की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि लिथुआनिया दक्षिण कोरिया,रूस, गुयाना और जापान जैसे देशों में प्रति 1 लाख आबादी पर आत्महत्या दर सबसे अधिक दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, लिथुआनिया में यह दर लगभग 25.7 प्रति 1 लाख है, जबकि दक्षिण कोरिया में लगभग 20.2 प्रति 1 लाख। वहीं भारत और चीन जैसे देशों में कुल आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है,क्योंकि यहाँ जनसंख्या बहुत बड़ी है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरब) 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में 1.64 लाख से अधिक आत्महत्याएँ दर्ज की गईं, यानें हर दिन औसतन 450 से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं। इनमें सबसे अधिक संख्या दैनिक वेतन भोगियों, छात्रों और किसानों की है। जापान में आत्महत्या लंबे समय से सामाजिक समस्या रही है,जहाँ हर साल लगभग 20,000 से अधिक लोग जीवन समाप्त कर लेते हैं।

सीएम पुष्कर धामी बोले केंद्रीय बजट विकसित भारत @2047 और आत्मनिर्भर उत्तराखंड का रोडमैप

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बलवीर रोड स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित मीडिया प्रेस वार्ता के दौरान केंद्रीय बजट 2026-27 को विकसित भारत ज्ञ2047 और आत्मनिर्भर उत्तराखंड की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी बजट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट देश की आत्मा, आत्मविश्वास और विकासशील सोच को मजबूती प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बजट में पूंजीगत व्यय में की गई बढ़ोतरी से दीर्घकालिक विकास की मजबूत नींव रखी गई है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के साथ-साथ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और संप्रभुता को भी सुदृढ़ करता है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि बजट के तीन प्रमुख स्तंभ–संतुलित एवं समावेशी विकास, वंचित वर्गों का क्षमता निर्माण और सबका साथ-सबका विकास–दूरस्थ के माध्यम से सीमांत क्षेत्रों, गांवों, महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों, बच्चों और वंचित वर्गों सभी के समग्र उत्थान का स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने बताया कि टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास से उत्तराखंड के देहरादून, हरिद्वार और हल्द्वानी जैसे शहरों को विशेष लाभ मिलेगा। प्रत्येक जनपद में महिला छात्रावास की व्यवस्था से महिला सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण को नई मजबूती मिलेगी। 'ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'विश्वास आधारित शासन' से निवेश, रोजगार और जनभागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में किए गए विविध और नीतिगत प्रावधानों से उत्तराखंड में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे। आयुष, फार्मा, हथकरघा, खादी और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन मिलने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। ग्रीन एनर्जी पर विशेष फोकस से उत्तराखंड जैसे पर्वतीय एवं वन संपदा से समृद्ध राज्य में ग्रीन इकोनॉमी को बल मिलेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप उत्तराखंड के हितों का ध्यान रखा गया है। राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर केंद्र सरकार को दिए गए प्रस्तावों और अनुरोधों को भी बजट में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सम्मिलित किया गया है, जो राज्य-केंद्र के सहयोगात्मक संघवाद का सशक्त उदाहरण है।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 उत्तराखंड को रोजगार, निवेश, निर्यात, कौशल विकास और शहरी अवसंरचना के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाला साबित होगा और राज्य के समावेशी, संतुलित व सतत विकास की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

एक नजर

राजधानी में युवती की निर्मम हत्या, प्रेम प्रसंग में विवाद बना वजह

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के व्यस्ततम पलटन बाजार में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सरेआम एक 23 वर्षीय युवती की चापड़ से गला रेतकर हत्या कर दी गई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। मृतक युवती की पहचान गुंजन (23 वर्ष) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आरोपी युवक ने अचानक युवती पर हमला कर दिया और चापड़ से गर्दन पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना इतनी भयावह थी कि आसपास मौजूद लोग सहम गए और कुछ देर के लिए बाजार में भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक आकाश को तुरंत हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चापड़ भी बरामद कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक युवती और आरोपी युवक के बीच पूर्व में प्रेम संबंध थे, लेकिन बीते कुछ समय से दोनों के बीच आपसी संबंधों में तनाव चल रहा था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आपसी विवाद के चलते ही आरोपी ने इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और हत्या के पीछे के सटीक कारणों की गहन जांच की जा रही है। युवती के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस घटना के बाद पलटन बाजार क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं, दिनदहाड़े हुई इस हत्या ने राजधानी की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रीति मर्डर केस का खुलासा, आरोपी प्रेमी सहारनपुर से गिरफ्तार

पथ प्रवाह, ऋषिकेश। ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत शिवाजी नगर में महिला की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। बीती 31 जनवरी 2026 की रात को शिवाजी नगर, गली नंबर-11 में किराये पर रह रही महिला प्रीति की अज्ञात व्यक्ति द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली ऋषिकेश पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की गई। पुलिस द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ-साथ तकनीकी सर्विलांस, मुखबिर तंत्र एवं मैनुअल इनपुट के आधार पर आरोपी की पहचान सुनिश्चित की गई। त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुख्य अभियुक्त सुरेश गुप्ता को छुटमलपुर, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वारदात के बाद फरार हो गया था और लगातार ठिकाने बदल रहा था, लेकिन पुलिस की सतर्कता के चलते वह ज्यादा समय तक कानून से बच नहीं सका। पुलिस पूछताछ में आरोपी से घटना से जुड़े अहम तथ्यों के सामने आने की संभावना जताई जा रही है। हत्या के पीछे के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है तथा अन्य पहलुओं पर भी विवेचना जारी है।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण :

नामः सुरेश गुप्ता, पिताः स्वर्गीय लालामल गुप्ता, उम्रः 40 वर्ष

स्थायी निवासीः ग्राम दरगाहपुर, थाना लक्सर, जिला हरिद्वार

वर्तमान पताः आवास विकास कॉलोनी, थाना ऋषिकेश, जनपद देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने श्रमिक प्रशिक्षण पोर्टल का किया शुभारंभ, कौशल विकास की पहल

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (चक्कहृछ्ठ), श्रम विभाग द्वारा विकसित श्रमिक प्रशिक्षण प्रबंधन प्रणाली (ट्रेनिंग मैनेजमेंट सिस्टम-ञ्ञरू) का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पोर्टल पंजीकृत श्रमिकों एवं उनके आश्रित परिवारजनों के कौशल विकास को पारदर्शी, प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार विकसित यह प्रणाली प्रशिक्षण प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाइन बनाकर भ्रष्टाचार व डुप्लीकेसी पर प्रभावी रोक लगाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण उपरांत श्रमिकों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी अन्य आवश्यकताओं पर भी ठोस कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने राज्य के उद्यमियों से नियमित फीडबैक लेकर प्रशिक्षण को सीधे रोजगार से जोड़ने पर विशेष बल दिया। क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप प्लंबर, कारपेंटर, इलेक्ट्रीशियन जैसे व्यवसायों में प्रशिक्षण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए, जिससे स्थानीय जरूरतों की पूर्ति स्थानीय श्रमिकों से हो सके और रोजगार के अवसर बढ़ें।

श्रम सचिव डॉ. श्रीधर बाबू अद्दंकी ने बताया कि ञ्ञरू के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदाताओं, प्रशिक्षकों, मूल्यांकनकर्ताओं और प्रशिक्षण केंद्रों का चयन भारत सरकार में इम्पैनल्ड संस्थाओं से ऑनलाइन किया जाएगा। श्रमायुक्त पी.सी. दुमका ने कहा कि पोर्टल से गुणवत्ता सुधार, केंद्रीकृत डाटाबेस और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हाउस आफ हिमालयाज बिक्री का आंकड़ा 3.7 करोड़ के पार पहुंचा

पथ प्रवाह, देहरादून

पहाड़ की महिलाओं की मेहनत तैयार विशुद्ध उत्तराखंडी उत्पादों का ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज', लांचिंग के दो साल के भीतर साढ़े तीन करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री करने में कामयाब रहा है। जल्द ही हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पाद विदेशों में भी बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

ग्राम्य विकास विभाग के अधीन, हाउस ऑफ हिमालयाज, उत्तराखंड के महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों, किसान उत्पादक संगठनों और ग्रामीण उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों का कॉमन ब्रांड है। इसका उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों, दिसंबर 2023 के दौरान देहरादून में आयोजित ग्लोबल इंवेस्टर समिट के दौरान हुआ था। प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन के बाद हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों की एकाएक मांग बढ़ी है। बीते दो साल में कुल बिक्री का आंकड़ा 3.7 करोड़ के पार पहुंच गया है। अब हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड के उत्पाद ऑफलाइन के साथ ही ई कामर्स साइट जियो मार्ट, अमेजन, ब्लिंकिट, बिग बास्केट और ब्रांड की खुद की अपनी वेबसाइट https://house-ofhimalayas.com/ पर भी मिल रहे हैं।

50 विशिष्ट उत्पाद शामिल

वर्तमान में इस ब्रांड में कुल 50 उत्पादों को शामिल किया गया है। इसमें मिलेट्स बिस्किट, मुन्स्यारी, चकराता, हर्षिल की राजमा, चौलाई, तोर दाल, पहाड़ का परंपरागत लाल चावल, झंगोरा, गहथ, काले भट्ट, चाय, तेल, पर्सनल केयर, हैंडीक्राफ्ट के उत्पाद शामिल हैं। इसके उत्पादों की गुणवत्ता की जांच तीन स्तरों पर की जा रही है। सरकार स्थानीय मेलों, त्यौहार के मौकों पर हाउस ऑफ हिमालयाज के उत्पादों को खरीदने पर जोर दे रही है। साथ ही सरकारी कार्यक्रमों और कार्यालयों के जरिए भी बिक्री बढ़ाने की रणनीति तैयार की गई है। दिवाली जैसे त्यौहार के लिए हाउस ऑफ हिमालयाज की ओर से खास गिफ्ट पैक उपलब्ध कराए गए थे, जिन्हें खूब पसंद किया गया।

तीन हजार से महिलाओं को रोजगार

हाउस ऑफ हिमालयाज में अब तक कुल 22 ट्रेडमार्क पंजीकृत किए जा चुके हैं। इस उत्पाद श्रंखला से राज्य की 3,300 से अधिक ग्रामीण महिलाएं प्रत्यक्ष तौर पर जुड़ी हुई हैं। जबकि व्यापक क्रय नेटवर्क के माध्यम से 28,000 से अधिक महिलाओं को इसका अप्रत्यक्ष लाभ मिला है। ये उत्पाद प्रमुख शहरों में 26 आउटलेट्स के जरिए बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसमें जौलीग्रांट एयरपोर्ट का एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट शामिल है। इसके साथ ही प्रतिष्ठित होटल श्रृंखलाओं एवं यात्रा केंद्रों में भी हाउस ऑफ हिमालयाज की प्रीमियम कार्ट्स स्थापित किए गए हैं। साथ ही चार धाम मार्ग पर 10 फ्लोर स्टैंडिंग यूनिट्स तैनात की गई हैं। कंपनी Reliance Freshpik, Flipkart एवं Zepto के साथ अनुबंध का प्रयास कर रही है। हाउस ऑफ हिमालयाज़ के उत्पाद को विदेशी बाजार में उपलब्ध कराने के लिए Amazon Global, Walmart के साथ साझेदारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल टू ग्लोबल विजन के अनुसार हाउस ऑफ हिमालयाज का उद्देश्य उत्पादों की गुणवत्ता और पैकेजिंग को सुदृढ़ बनाकर, प्रामाणिक हिमालयी उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रीमियम बाज़ारों में स्थापित करना है। इससे प्रदेश के किसानों और महिला स्वयं सहायता समूहों की आर्थिकी मजबूत हुई है।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री उत्तराखंड

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने जिला व पंचायत स्तर पर विजन डॉक्यूमेंट बनाने के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में विकासकार्यों की जनपद्वार समीक्षा की। मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय 2047 विजन डॉक्यूमेंट की तर्ज पर सभी ज़िलाधिकारियों को जिला एवं पंचायत स्तर पर भी विज़न डॉक्यूमेंट तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर, खण्ड स्तर और जनपदों के विजन डॉक्यूमेंट की दिशा में शीघ्र कार्य किया जाए। इसके लिए आवश्यक वर्कशॉप भी शीघ्र आयोजित कराई जाएं।

मुख्य सचिव ने कहा कि जिला योजना के लिए जिला योजना समितियों को बैठकें मार्च माह तक अनिवार्य रूप से करवा ली जाएं। इसके लिए अभी से होमवर्क शुरू किया जाए ताकि योजनाओं को समय से पूर्ण करने के लिए पहले से तैयारी रहे। उन्होंने कहा कि जिला योजना में शामिल किए जाने वाले संभावित कार्यों की प्रक्रिया के पहलुओं को पूर्ण कराते हुए एस्टीमेट तैयार करवा लिए जाएँ।

मुख्य सचिव ने कहा कि उद्यान विभाग, कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग को जनपद स्तर पर खरीद के लिए शक्तियों का विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने खरीद के लिए मूल्य निर्धारण के साथ ही एक वर्ष के बजाए 2 से 3 वर्षों के लिए मूल्य निर्धारित करने जैसे उपायों का भी परीक्षण कराया जा सकता है। आमजनमानस की समस्याओं के निस्तारण के लिए यदि जिला योजना की गाइडलाइंस और नियमों में सुधार की आवश्यकता है तो किए जाने चाहिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि जन जन की सरकार में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण के लिए भी योजनाएं तैयार की जाएँ, साथ ही कार्य प्रकृति के अनुरूप जिला एवं राज्य योजना में शामिल करवाया जाए। उन्होंने राज्य सेक्टर एवं डीएपी, सीसीएस आदि की मासिक बैठकें अनिवार्य रूप से आयोजित कराई जाएं।

मुख्य सचिव ने आजीविका से जुड़ी सभी विभागों की योजनाओं को गंभीरता से लिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आजीविका से जुड़ी योजनाओं की जनपद स्तर पर मासिक रूप से समीक्षा की जाए साथ ही त्रैमासिक रूप से मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर इन योजनाओं की समीक्षा आयोजित की जाए।

मुख्य सचिव ने राजकीय महिला विद्यालयों को टॉयलेट्स निर्माण से 08 मार्च, 2026 तक सैचुरेट किए जाने के निर्देश को दोहराया। उन्होंने टॉयलेट्स की सफाई व्यवस्था के लिए ठोस योजना भी तैयार किए जाने की बात कही।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगौली, डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, चंद्रेश कुमार यादव, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डेय, सभी जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव की सख्ती, राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में राजस्व विभाग की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर देते हुए लम्बित मामलों को शीघ्र निस्तारण की बात कही।

मुख्य सचिव ने सभी ज़िलाधिकारियों को धारा 34 एवं 143 के वादों के निस्तारण के लिए अभियान चलाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने ज़िलाधिकारी नैनीताल की तर्ज पर निर्विवाद मामलों को कैम्प आयोजित कर त्वरित निस्तारण को प्रत्येक जनपद में लागू किए जाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने 143 के मामलों को भी 6 माह या इससे अधिक समय तक लंबित रखे जाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 143 के वादों को निस्तारण के लिए 45 दिन का समय निर्धारित किया जाए। उन्होंने राजस्व मुख्य सचिव ने मंडल स्तर पर मंडलायुक्त एवं जनपद स्तर पर जिलाधिकारियों द्वारा अपने न्यायालय एवं सत्र

न्यायालय में सबसे पुराने 5 मामलों को चिन्हित कर उनके निस्तारण पर कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह इसकी बैठक आयोजित की जाए, और प्रत्येक माह पुराने मामले निस्तारित करते हुए उनकी जगह सबसे पुराने अन्य मामलों को शामिल किया जाए।

मुख्य सचिव ने प्रदेशभर के 5 वर्षों से अधिक समय से लंबित कुल 1760 मामलों का 10 प्रतिशत मामले मार्च 2026 तक निस्तारण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने कहा कि अच्छा कार्य किए जाने पर प्रशस्ति पत्र के साथ ही वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में भी प्रतिबिंबित होना सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने जन जन की सरकार कार्यक्रम को शहरी क्षेत्रों में भी शुरू किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्यक्रम अच्छा कर रहा है। इसे शहरी क्षेत्रों में तत्काल शुरू किया जाना चाहिए। इसके लिए कैम्प आयोजित किए जाने हेतु योजना तैयार कर ली जाए, साथ ही, कैम्प आयोजित किए जाने से पहले क्षेत्र में इसका प्रचार प्रसार किया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इन कैम्प का लाभ ले सकें।

मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, एसडीएम आदि को अपने अंतर्गत तहसीलों, विकासखंड एवं थानों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में मॉडर्न पटवारी चौकियों का निर्माण के साथ ही पटवारी-कानूनगो आदि को शीघ्र लैपटॉप उपलब्ध कराये जाएँ, ताकि विभागीय ऑनलाइन गतिविधियों की कार्यवाही शीघ्र से पूर्ण कर ली जाए। मुख्य सचिव ने प्रदेशभर में आधुनिक रिकॉर्ड रूम भी तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। आधुनिकीकरण के लिए बजट को बढ़ाए जाने की आवश्यकता है तो नए वित्तीय वर्ष में इसका प्रविधान कर लिया जाए।

मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग के तहत रिक्त पदों के सापेक्ष भर्तियों के अधियाचन शीघ्र भेजे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय पदोन्नतियां भी समय पर कराये जाने पर जोड़ दिया। साथ ही उन्होंने पीएम किसान योजना के तहत किसानों का पंजीकरण कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाने का भी लक्ष्य दिया।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव एस.एन. पाण्डेय, राजस्व परिषद आयुक्त श्रीमती रंजना राजगुरु सहित जनपदों मंडलायुक्त दीपक रावत एवं विनय शंकर पाण्डेय सहित सभी जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

स्पीति घाटी दुनिया का सबसे ऊंचा गांव, ठंड में यहां रहना नामुमकिन

-ऊबड़-खाबड़ रास्तों, गहरी खाइयों और बर्फीली वादियों के बीच बसा है यह गांव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। समुद्र तल से करीब 15,027 फीट की ऊंचाई पर बसा हिमाचल प्रदेश का स्पीति घाटी इलाका दुनिया की सबसे ऊंची जगह है। इसे दुनिया का सबसे ऊंचा गांव भी कहा जाता है, जहां पहुंचना घूमने वालों के लिए किसी मेडल को जीतने जैसा होता है। यहां की हवाओं में सुकून और रोमांच दोनों घुले हुए हैं।

इस अनोखी बस्ती की सबसे बड़ी पहचान इसकी भौगोलिक स्थिति है। करीब 4,587 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह गांव तकनीकी रूप से दुनिया का वो आखिरी सिरा है, जहां तक आप अपनी गाड़ी के पहियों पर सवार होकर पहुंच सकते हैं। ऊबड़-खाबड़ रास्तों, गहरी खाइयों और बर्फीली वादियों के बीच से गुजरते हुए जब आप यहां कदम रखते हैं, तो ऐसा महसूस होता है जैसे दुनिया का शोर पीछे छूट गया है। यहां का नीला आसमान इतना साफ होता है कि रात के समय पूरी आकाशगंगा अपनी आंखों से देखी जा सकती है। आधुनिक दुनिया की चकाचौंध से कोसों दूर बसा यह गांव आज भी अपनी प्राकृतिक सादगी और प्राचीन बौद्ध मठ की आध्यात्मिक शांति के लिए जाना जाता है, जो सदियों से इस ऊंचाई पर मजबूती से खड़ा है।

यहां की खूबसूरती जितनी मनमोहक है, यहां का जीवन उतना ही संघर्षपूर्ण है। इस ऊंचाई पर साल के बारह महीने हाड़ कंपाने वाली ठंड पड़ती है और ऑक्सीजन का स्तर इतना कम हो जाता है कि सामान्य इंसानों के लिए सांस लेना भी एक चुनौती बन जाता है। गर्मियों के चंद महीनों को छोड़ दिया जाए, तो यहां का तापमान अक्सर शून्य से कई डिग्री नीचे बना रहता है। इस कठिन माहौल के बावजूद यहां के स्थानीय लोगों का जज्बा और उनकी मुस्कान पर्यटकों का दिल जीत लेती है। इतना ही नहीं यहां की काली और पथरीली मिट्टी पर जब सूरज की किरणें पड़ती हैं, तो पूरा परिदृश्य किसी हॉलीवुड फिल्म के सेट जैसा लगने लगता है, जहां कुदरत हर पल अपनी ताकत का अहसास कराती है।

जैसे ही सर्दियों की आहट शुरू होती है और बर्फ की मोटी चादर पूरे पहाड़ को अपनी आगोश में ले लेती है, यहां की जिंदगी का पहिया पूरी तरह ठहर जाता है। भारी बर्फबारी के कारण यह गांव दुनिया के बाकी हिस्सों से पूरी तरह कट जाता है, जिससे यहां टिक पाना नामुमकिन है। यही वजह है कि यहां के निवासी सर्दियों में अपने पशुओं और जरूरी सामान के साथ नीचे मैदानी इलाकों में चले जाते हैं। केवल जून से सितंबर के बीच ही इस दुनिया की छत पर रौनक लौटती है।

आसान हो जाएगी चारधाम यात्रा, परियोजना अंतिम चरण में, पहाड़ों पर जल्द दौड़ेगी ट्रेन

नई दिल्ली। देवभूमि उत्तराखंड की दुर्गम पहाड़ियों के बीच चारधाम की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। भारतीय रेलवे के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का निर्माण कार्य अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल यह 125 किलोमीटर लंबी रेल लाइन न केवल श्रद्धालुओं के उबाऊ सड़क सफर को खत्म करेगी, बल्कि बुजुर्गों और बच्चों के लिए पहाड़ों की यात्रा को बेहद आरामदायक बना देगी। रेल मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए ब्लूप्रिंट के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य उत्तराखंड के दूरदराज के इलाकों को मुख्य रेल नेटवर्क से जोड़ना और पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देना है।

इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका इंजीनियरिंग कौशल है। 125 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का लगभग 105 किलोमीटर हिस्सा 16 मुख्य सुरंगों (टनल) से होकर गुजरेगा। सुरक्षा के लिहाज से मुख्य सुरंगों के समानांतर 12 निकास सुरंगें और क्रॉस पैसेज भी बनाए गए हैं, जिन्हें मिलाकर सुरंगों की कुल लंबाई 213 किलोमीटर तक पहुँचती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 160 किलोमीटर से अधिक की खुदाई का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है और अब जल्द ही इन सुरंगों के भीतर अत्याधुनिक ट्रैक बिछाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस रेल लाइन पर बिछाए जाने वाले ट्रैक मेट्रो रेल की तर्ज पर उच्च गुणवत्ता वाले होंगे, जो पहाड़ों के कठिन भूगोल में भी तेज और सुरक्षित सफर सुनिश्चित करेंगे।

ऋषिकेश से शुरू होकर यह रेल लाइन देहरादून, टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग और चमोली जिलों के महत्वपूर्ण पड़ावों को छुएगी। श्रीनगर गढ़वाल, गोचर और कालेश्वर जैसे स्टेशनों को जोड़ने के लिए मोटर पुलों का निर्माण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। परियोजना की सबसे बड़ी उपलब्धि 14.58 किलोमीटर लंबी सुरंग है, जो देश की सबसे लंबी रेलवे सुरंगों में से एक होगी। इस रेल मार्ग के शुरू होने से तीर्थयात्री सीधे ट्रेन से कर्णप्रयाग तक पहुँच सकेंगे, जिससे केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम की दूरी और समय काफी कम हो जाएगा। रेलवे की इस पहल से न केवल चारधाम यात्रा सुगम होगी, बल्कि सीमावर्ती इलाकों में कनेक्टिविटी बढ़ने से सामरिक दृष्टिकोण से भी भारत की स्थिति और मजबूत होगी।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर भ्रामक प्रचार रोकने हेतु समिति की बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से संबंधित भ्रामक प्रचार का मुकाबला करने के लिए गठित समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में समिति के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के नेता और उद्योग संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि खाद्य सुरक्षा, पोषण, बर्बादी को कम करने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से संबंधित भ्रांतियों और गलत सूचनाओं का वैज्ञानिक संचार, पारदर्शिता और जिम्मेदार सहभागिता के माध्यम से सक्रिय रूप से समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने संतुलित जनदृष्टि का निर्माण करने और खाद्य प्रसंस्करण पर सही और विश्वसनीय जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, डिजिटल प्लेटफॉर्म और अन्य जनसंचार माध्यमों के साथ-साथ सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी का उपयोग करने के महत्व को रेखांकित किया।

सनातन समन्वय परम्परा का दिव्य आध्यात्मिक महोत्सव, तीन दिन हरिद्वार में रहेगा शख्सियतों का जमावड़ा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारत माता मंदिर के पर परमाअध्यक्ष रह चुके और निवर्तमान शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी की समाधि स्थल और मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में विशेष अतिथियों में संत और राजनीतिक शख्सियत शामिल होंगी।

हरिद्वार में आगामी 4 फरवरी से 6 फरवरी तक यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में राजनीतिक और आध्यात्मिक शख्सियतों का जमावड़ा लगने जा रहा है। भारत माता मंदिर के पर

परमाअध्यक्ष रह चुके और निवर्तमान शंकराचार्य स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी की समाधि स्थल और मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम पर आयोजित किए जा रहे तीन दिवसीय कार्यक्रमों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित कई केंद्रीय मंत्री और आध्यात्मिक जगत से जुड़ी हुई बड़ी हस्तियां प्रतिभाग करेंगी। दो सत्र में होने वाले इस कार्यक्रम में न केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे बल्कि आध्यात्मिक और सनातन की मौजूदा स्थिति को लेकर भी परिचर्चा की जाएगी। जूना पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने बताया कि तीन दिन तक देश की राजनीतिक और आध्यात्मिक शख्सियतों का यहां जमावड़ा लगेगा, जिसका उद्देश्य स्वामी सत्यमित्रानंद जी की समाधि स्थल और प्रतिमा का अनावरण और साथ ही देश कल परिस्थिति पर चर्चा रहेगा। स्वामी ललितानंद गिरि ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद जी स्वामी विवेकानंद और शंकराचार्य के जीवन से सीख लेते हुए आगे बढ़े और वे अकेले ऐसे संत थे जिन्होंने सनातन के प्रचार के लिए शंकराचार्य पद से भी इस्तीफा दे दिया था। क्योंकि शंकराचार्य को विदेश जाने की अनुमति नहीं होती। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरुष के जीवन से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

एक नजर

बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को है देश की सबसे लंबी फ्लाइट

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि एयर इंडिया की बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली नॉन-स्टॉप उड़ान को दूरी और समय दोनों के लिहाज से देश की सबसे लंबी फ्लाइट मानी जाती है। बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को के बीच यह फ्लाइट करीब 14,015 किलोमीटर की दूरी तय करती है। आमतौर पर इस सफर में 16 से 17 घंटे का समय लगता है, हालांकि यह पूरी तरह मौसम और हवा की दिशा पर निर्भर करता है। अनुकूल परिस्थितियों में टेलविंड की मदद से समय कुछ कम हो सकता है, जबकि हेडविंड की स्थिति में यह उड़ान 17 से 18 घंटे तक भी खिंच सकती है। दूरी के लिहाज से यह रूट मुंबई-सैन फ्रांसिस्को और दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को से भी लंबा है, जो पहले भारत की सबसे लंबी उड़ानों में गिने जाते थे। यह फ्लाइट एयर इंडिया के बोइंग 777-200 एलआर विमान से संचालित की जाती है, जिसे खास तौर पर अल्ट्रा-लॉन्ग हॉल उड़ानों के लिए डिजाइन किया गया है। इस विमान में अधिक ईंधन क्षमता, मजबूत इंजन और लंबी दूरी तक बिना रुके उड़ान भरने की तकनीक मौजूद है। यह रूट भारत के आईटी हब बेंगलुरु को अमेरिका के टेक्नोलॉजी सेंटर सैन फ्रांसिस्को से जोड़ता है, इसलिए आईटी प्रोफेशनल्स, बिजनेस ट्रैवलर्स और परिवार से मिलने जाने वाले यात्रियों के बीच इसकी काफी मांग रहती है। इतने लंबे सफर के दौरान यात्रियों को थकान और जेट लैग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए एयर इंडिया इस रूट पर बेहतर सीटिंग, इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट और मल्टीपल मील सर्विस जैसी सुविधाएं देती है। प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास में अतिरिक्त आराम और लेगरूम उपलब्ध कराया जाता है। एविएशन विशेषज्ञ यात्रियों को सलाह देते हैं कि लंबी उड़ानों में हर कुछ घंटों में उठकर टहलें, पानी ज्यादा पिएं और नींद के शेड्यूल का ध्यान रखें। जनवरी 2026 तक उपलब्ध एविएशन आंकड़ों के अनुसार, बेंगलुरु-सैन फ्रांसिस्को रूट भारत की सबसे लंबी डायरेक्ट फ्लाइट बना हुआ है।

हार्ट की समस्या में अर्जुन के पेड़ की छाल बेहद उपयोगी

नई दिल्ली। आयुर्वेद में ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्या के लिए एक प्राकृतिक उपाय मौजूद है। हार्ट की समस्या में अर्जुन के पेड़ की छाल बेहद उपयोगी मानी जाती है। आयुर्वेद में इसे हृदय-बल्य यानी हृदय को ताकत देने वाली औषधि के रूप में मान्यता प्राप्त है। अर्जुन का पेड़ भारत के लगभग हर हिस्से में पाया जाता है, खासकर नदियों, तालाबों और जल स्रोतों के किनारे। इसकी छाल में ऐसे गुण हैं, जो हृदय की मांसपेशियों को मजबूत करते हैं, रक्त प्रवाह को नियंत्रित करते हैं और दिल की धड़कन को नियमित रखने में मदद करते हैं। आयुर्वेद विशेषज्ञ बताते हैं कि अर्जुन की छाल का नियमित सेवन ब्लड प्रेशर को संतुलित रखता है और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। यही कारण है कि इसे हृदय रोगों के उपचार और बचाव के लिए भरोसेमंद औषधियों में शामिल किया गया है। सिर्फ हृदय ही नहीं, अर्जुन की छाल अन्य स्वास्थ्य लाभों के लिए भी उपयोगी है। इसका लेप हड्डियों के फ्रैक्चर, सूजन और घावों पर लगाने से राहत देता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण शरीर में सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। आयुर्वेद में अर्जुन की छाल को दस्त, पेचिश, मूत्र संक्रमण जैसी समस्याओं में लाभकारी माना गया है। साथ ही खांसी, अस्थमा और सांस की तकलीफ जैसी समस्याओं में इसका काढ़ा या चूर्ण राहत प्रदान करता है। अर्जुन का सेवन सरल है। इसके लिए छाल का काढ़ा बनाकर पीना, दूध में उबालकर लेना या चूर्ण का उपयोग करना फायदेमंद रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार सुबह और शाम इसका सेवन करने से हृदय मजबूत होता है और शरीर की संपूर्ण स्वास्थ्य स्थिति बेहतर रहती है। हालांकि, इसे अधिक मात्रा में लेने से ब्लड प्रेशर कम हो सकता है, इसलिए सेवन में सावधानी बरतना आवश्यक है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को चिकित्सक की सलाह के बिना इसका सेवन नहीं करना चाहिए। आयुर्वेद में अर्जुन की छाल को हृदय स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक वरदान माना गया है। यह न केवल दिल को मजबूत बनाती है, बल्कि शरीर में विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रक्त को शुद्ध करती है।

फ्यूल स्विच में आई खराबी... विमान की उड़ान पर लगी रोक

नई दिल्ली। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के फ्यूल स्विच में खराबी की आशंका के मद्देनजर विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया। विमान के पायलटों ने ईंधन नियंत्रण स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी थी। इस मामले पर एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि हमें इस बात की जानकारी है कि हमारे एक पायलट ने बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान के फ्यूल स्विच में संभावित खराबी की सूचना दी है। यह प्रारंभिक सूचना प्राप्त होने के बाद हमने उक्त विमान को उड़ान भरने से रोक दिया है। एअर इंडिया ने कहा कि पायलट की चिंताओं की प्राथमिकता के आधार पर जांच कराने के लिए निर्माता कंपनी से संपर्क कर रहे हैं। इस मामले की जानकारी विमानन नियामक, डीजीसीए को दे दी गई है। डीजीसीए के निर्देश के बाद एअर इंडिया ने अपने बेड़े के सभी बोइंग 787 विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच की जांच की थी और कोई समस्या नहीं पाई थी।

सेफ्टी मैटर्स फाउंडेशन के मुताबिक एअर इंडिया की उड़ान एआई132 के चालक दल ने बताया कि बोइंग ड्रीमलाइनर के बाएं इंजन के फ्यूल स्विच को चालू करते समय यह रन की स्थिति में लॉक होने की जगह कट ऑफ होने की ओर बढ़ने लगा।

स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप दे रहा पौड़ी गढ़वाल, आंगनबाड़ी से कार्यालयों तक स्वच्छता की शपथ

पथ प्रवाह, पौड़ी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के नेतृत्व में जनपद पौड़ी गढ़वाल में 26 जनवरी से 26 फरवरी 2026 तक विशेष, व्यापक एवं सहभागितापूर्ण स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जनभागीदारी से जुड़ा एक सतत सामाजिक आंदोलन बनाना है। अभियान के तहत अब तक लगभग 2100 किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट एकत्रित किया जा चुका है।

जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा प्रतिदिन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि अभियान के तहत आंगनबाड़ी परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई के साथ-साथ ग्रामीणों, महिलाओं एवं अभिभावकों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करते हुए स्वच्छता की शपथ दिलायी जा रही है। वहीं जनपद एवं ब्लॉक स्तर पर स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालयों में भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सफाई अभियान संचालित कर स्वच्छता की शपथ ली जा रही है, जिससे स्वच्छ वातावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को बल मिल सके। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां स्वच्छता अभियान की सशक्त वाहक बनकर जनपद में जागरुकता का संदेश घर-घर तक पहुंचा रही हैं। सभी का प्रयास है कि स्वच्छता की यह पहल केवल अभियान तक सीमित न रहकर लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बने।

उल्लेखनीय है कि अभियान के अंतर्गत जनपद के समस्त विकासखंडों, नगर निकाय क्षेत्रों एवं ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन स्वच्छता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, स्वयं सहायता समूहों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा श्रमदान कर सार्वजनिक स्थलों, बाजार क्षेत्रों, सड़कों के किनारे, बस अड्डों एवं आवासीय क्षेत्रों की नियमित सफाई की जा रही है। साथ ही अभियान के अंतर्गत गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण, कूड़ा संग्रहण, प्लास्टिक उपयोग में कमी तथा स्वच्छ पर्यावरण के महत्व को लेकर आम नागरिकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान केवल एक माह की गतिविधि नहीं है, बल्कि स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में निरंतर चलने वाला प्रयास है। उन्होंने बताया कि अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए प्रत्येक विकासखंड में नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है तथा कूड़ा संग्रहण एवं निस्तारण व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 26 फरवरी के बाद भी स्वच्छता अभियान की यह पहल निरंतर जारी रहेगी, ताकि जनपद में स्वच्छता को स्थायी आदत के रूप में स्थापित किया जा सके।

बाल संरक्षण और साइबर सुरक्षा को लेकर चलाया गया जनजागरुकता अभियान

पथ प्रवाह, पौड़ी। जिला परिवीक्षा अधिकारी अरविंद सिंह के निर्देशन में देवभूमि पब्लिक स्कूल, नकोट (श्रीनगर) में बाल संरक्षण एवं साइबर सुरक्षा पर जनजागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाल अधिकारों, पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, साइबर अपराधों से बचाव तथा बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न कानूनों के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में महिला थाना की पुलिस इंस्पेक्टर प्रियंका भारद्वाज द्वारा पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत बच्चों के साथ होने वाले अपराधों, उनके कानूनी अधिकारों तथा ऐसे मामलों में मिलने वाली कानूनी सहायता एवं संरक्षण की प्रक्रिया के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उन्होंने विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की असहज स्थिति में निडर होकर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। थाना श्रीनगर से इंस्पेक्टर विमल कुमार ने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव तथा डिजिटल सतर्कता के संबंध में जानकारी प्रदान की तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1030 के महत्व पर प्रकाश डाला।

बाल कल्याण समिति की सदस्य सुनीता भट्ट ने बाल कल्याण समिति की कार्यप्रणाली, उसके अधिकारों एवं दायित्वों के साथ-साथ

संकटग्रस्त बच्चों के संरक्षण एवं पुनर्वास में समिति की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में पूजा नेगी द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से बच्चों को मिलने वाली सहायता, इसकी कार्यप्रणाली तथा आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया को उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया।

इस अवसर पर निखिल डेविड द्वारा पॉक्सो अधिनियम एवं किशोर न्याय (जेजे) अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी गई, वहीं प्रज्ञा नैथानी ने बाल विवाह के दुष्प्रभावों, उसके सामाजिक एवं मानसिक प्रभावों तथा बाल विवाह की रोकथाम में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य भगवान सिंह ने सभी अतिथियों एवं वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, गलत के विरुद्ध आवाज उठाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रज्ञा नैथानी, निखिल डेविड सहित चाइल्ड हेल्पलाइन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया गया।

हरिद्वार बी टीम ने जीती हॉकी प्रतियोगिता, हरिद्वार ए टीम को 2–1 से हराया

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

खेल निदेशालय उत्तराखण्ड देहरादून, जिला प्रशासन हरिद्वार के मार्गदर्शन एवं जिला खेल कार्यालय के तत्वावधान में चल रही राज्य स्तरीय हॉकी अण्डर-18 प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता का समापन मुख्य अतिथि राजीव शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के चौथे दिन पहला सेमीफाईनल मैच जनपद हरिद्वार (बी) एवं जनपद उधमसिंह नगर के मध्य खेला गया जिसमें हरिद्वार (बी) की टीम ने जनपद उधमसिंह नगर को 3-0 से हराकर फाईनल मैच में अपनी जगह बनायी। प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाईनल मैच- जनपद हरिद्वार (ए) एवं जनपद देहरादून के मध्य खेला गया जिसमें जनपद हरिद्वार (ए) की टीम ने जनपद देहरादून को 6-0 से हराकर फाईनल मैच में पहुँची। प्रतियोगिता का

फाईनल मैच- हरिद्वार (ए) एवं हरिद्वार (बी)

के मध्य खेला गया, रोमांचक मुकाबले में दोनों ही टीमों ने एक दूसरे को बराबर की टक्कर दी, 50 मिनट तक दोनों टीम 1-1 की बराबरी पर रही,अन्तिम क्षणों में हरिद्वार (बी) की टीम ने एक और गोल करके हरिद्वार (ए) को 2-1 से हराकर अपनी जीत सुनिश्चित करली। निर्णायकों की भूमिका में अमित कटारिया, अमित नेगी, हरीश नेगी, महिमा भण्डारी, परमिता गौतम, सौरभ पटवाल रहे।

इस अवसर पर प्रमोद चन्द्र पाण्डेय, जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी, शबाली गुरुंग जिला क्रीडा अधिकारी हरिद्वार, इंद्रमोहन बर्थवाल सचिव जिला क्रिकेट एशोसिएशन, शिखा बिष्ट, सहायक प्रशिक्षक, दीपक चन्द्र जोशी, सहायक प्रशिक्षक, अनुराग राठी सहायक प्रशिक्षक, प्रजापति कुकरेती मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, मुकेश भट्ट, विक्रम सिंह कनिष्ठ सहायक, मंगल सिंह, शुभम बोहरा, अभिषेक मुरारी, अनुराग सिंह धमान्दा, अक्षत कुकरेती, राजन राणा, गौरव लौहान एंव अनेक खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

डीएवी स्कूल में वार्षिक खेल दिवस की धूम, परंपरा, फिटनेस का अनूठा संगम

पथ प्रवाह, देहरादून।

स्वास्थ्य, शक्ति और शांति की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत करते हुए डीएवी पब्लिक स्कूल, डिफेंस कॉलोनी, देहरादून में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम 'परंपराओं की जड़ें और स्वास्थ्य के पंख' रही, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ते हुए शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करना तथा उनमें आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना था।

कार्यक्रम को दो पालियों में आयोजित किया गया

प्रथम पाली में नर्सरी से कक्षा पांच तक तथा द्वितीय पाली में कक्षा छह से ग्यारहवीं तक के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कारगिल ऑपरेशन में सहभागिता निभा चुके कर्नल जे.पी. काला रहे। विशिष्ट अतिथियों में जसवंत मॉडर्न पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या मीनाक्षी गंडोत्रा, हिम ज्योति पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या हुमा मल्होत्रा, डॉ. बी.के. नौटियाल तथा कर्नल एस.एल. पैन्युली उपस्थित रहे। द्वितीय पाली में मुख्य अतिथि विंग कमांडर ओ.पी. चाछरा रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों के रूप में धर्मा इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या स्वाती आनंद, कैलाश हॉस्पिटल के निदेशक पवन शर्मा तथा यू.एस. शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसने आयोजन को विशेष ऊंचाई प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएवी गान के साथ हुआ, जिसने विद्यालय की विरासत और मूल्यों के प्रति गर्व का भाव जागृत किया। इसके पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर सम्मान किया गया। सकारात्मक सोच और जागरूकता का संदेश देते हुए विद्यार्थियों द्वारा रंग-बिरंगे गुब्बारों को आकाश में छोड़ा गया।

अनुशासन, सांस्कृतिक विविधता और खेल भावना ने मोहा मन

डीएवी स्कूल में ड्रिल्स, नृत्य और दौड़ों में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास नजर आया। विद्यार्थियों ने वैदिक परंपराओं से प्रेरित पंचतत्व आधारित मनोहारी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें मंत्रोच्चार, लयबद्ध मुद्राएं और योगासन आधारित भाव-भंगिमाओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति की दिव्यता का सजीव चित्रण किया गया।

कक्षा 9 एवं 11 के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत अनुशासित मार्च पास्ट ने न केवल वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया, बल्कि उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों के मन में यह विश्वास भी दृढ़ किया कि भावी पीढ़ी सक्षम और जिम्मेदार हाथों में है।

प्रथम पाली में नन्हे विद्यार्थियों द्वारा बालवीर नृत्य, पोम-पोम नृत्य और आर्म्ड फोर्स नृत्य की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। बॉल ड्रिल, राजस्थानी नृत्य और आदिवासी जंगल ड्रिल के माध्यम से बच्चों ने सांस्कृतिक विविधता, अनुशासन और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का सुंदर परिचय दिया।

द्वितीय पाली में कक्षा छह की दुपट्टा ड्रिल और कक्षा सात की फैन ड्रिल ने तालमेल, एकाग्रता और शारीरिक-मानसिक संतुलन का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के ग्रैंड फिनाले में उत्तराखंड की समृद्ध गढ़वाली संस्कृति को समर्पित शिवभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य प्रस्तुति ने आयोजन को भावनात्मक ऊंचाई प्रदान की। अभिभावकों की गूंजती तालियों ने स्पष्ट कर दिया कि यह आयोजन केवल खेल या प्रदर्शन नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और सामूहिक सहभागिता का उत्सव था।

विभिन्न दौड़ों–हुला हूप रेस, फ्रॉग रेस, रिले रेस, सैक रेस और चेयर रेस–ने कार्यक्रम में रोमांच और सहभागिता को और बढ़ाया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि कर्नल जे.पी. काला ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से सावधान रहने और जीवन में नियमित रूप से खेल अपनाने की प्रेरणा दी। मीनाक्षी गंडोत्रा ने ईमानदारी, सकारात्मक सोच और जीवन के प्रत्येक क्षण का आनंद लेने का संदेश दिया।

विंग कमांडर ओ.पी. चाछरा ने विद्यालय की खेल परंपरा की सराहना करते हुए शिक्षकों और विद्यालय परिवार के समर्पण की प्रशंसा की।

विद्यालय की प्रधानाचार्या शालिनी समाधिया ने प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में शैक्षणिक उपलब्धियों, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, अनुशासन और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि परंपरा हमारी शक्ति है और स्वास्थ्य हमारा वास्तविक धन, इसलिए विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, सेवा और स्वास्थ्य को समान महत्व देता है।

प्रधानाचार्य शामिली समाधिया ने कहा कि डीएवी प्रबंधन कार्यसमिति के प्रधान पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को निरंतर प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि डीएवी संस्थाएं आज विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान और ख्याति अर्जित कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि डीएवी स्कूल के डायरेक्टर डॉ. वी. सिंह की दूरदर्शी सोच और प्रभावी मार्गदर्शन के चलते विद्यालय निरंतर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। विशेष रूप से विद्यार्थियों की खेल प्रतिभाओं में उल्लेखनीय निखार देखने को मिल रहा है और बच्चे विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

वहीं विद्यालय की मैनेजर डॉ. अल्पना शर्मा के कुशल नेतृत्व में विद्यार्थियों का शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा वैदिक मूल्यों के प्रति ज्ञान निरंतर सुदृढ़ हो रहा है। उन्होंने विद्यालय की निरंतर प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए स्कूल प्रबंधन समिति, सभी अभिभावकों एवं शुभचिंतकों के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ हुआ और अभिभावकों की निरंतर प्रशंसा ने इस आयोजन को पूर्ण सफलता के शिखर तक पहुंचा दिया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com